

Q.2) Meaning of New Democracy.

ଆମେ ଓ ଆମ ଦେଶର ଲୋକମାନଙ୍କ ମଧ୍ୟରେ
କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କିମ୍ପାଦିତ ମଧ୍ୟସ୍ତରୀୟ ଶକ୍ତି, ଏହି
କିମ୍ପାଦିତ ଶକ୍ତିର ମାଧ୍ୟମରେ କିମ୍ପାଦିତ
କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ଶକ୍ତିର ମାଧ୍ୟମରେ କିମ୍ପାଦିତ
କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ଶକ୍ତିର ମାଧ୍ୟମରେ କିମ୍ପାଦିତ
କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ଶକ୍ତିର ମାଧ୍ୟମରେ କିମ୍ପାଦିତ
କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ଶକ୍ତିର ମାଧ୍ୟମରେ କିମ୍ପାଦିତ
କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ଶକ୍ତିର ମାଧ୍ୟମରେ କିମ୍ପାଦିତ
କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ ଶକ୍ତିର ମାଧ୍ୟମରେ କିମ୍ପାଦିତ

Theory

④ Normative Approach. (নির্ধারিত পদ্ধতি বা
মানক পদ্ধতি)

এগিয়ে আসবে - এগিয়ে আসবে - এগিয়ে আসবে
- The level of performance will be high
- The level of performance will be high
- The level of performance will be high
- The level of performance will be high
- The level of performance will be high
- The level of performance will be high
- The level of performance will be high
- The level of performance will be high
- The level of performance will be high
- The level of performance will be high

এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে
- এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে
- এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে
- এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে
- এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে
- এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে
- এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে
- এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে
- এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে
- এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে
- এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে - এই পদ্ধতিতে

Q) What according to Marx are the successive stages of development of human society. Discuss in brief the nature and characteristics of the phase of development. How does it differ from capitalist system.

↓
उत्तर

आज की दुनिया में समाज के विकास के चार-चरणों का अध्ययन करना है। समाज-वैज्ञानिक चारों चरणों को क्रमिक रूप से समझना चाहिए - शक्ति-काल; कृषिकाल; औद्योगिक काल और समाजवाद काल। 4+4+4=15

वैज्ञानिक - साम्यवाद के लिए समाज को चार चरणों में विभाजित करने की आवश्यकता है। समाज-वैज्ञानिक चारों चरणों को क्रमिक रूप से समझना चाहिए - शक्ति-काल; कृषिकाल; औद्योगिक काल और समाजवाद काल। समाज-वैज्ञानिक चारों चरणों को क्रमिक रूप से समझना चाहिए - शक्ति-काल; कृषिकाल; औद्योगिक काल और समाजवाद काल। समाज-वैज्ञानिक चारों चरणों को क्रमिक रूप से समझना चाहिए - शक्ति-काल; कृषिकाल; औद्योगिक काल और समाजवाद काल।

* समाज-वैज्ञानिक चारों चरणों को क्रमिक रूप से समझना चाहिए - शक्ति-काल; कृषिकाल; औद्योगिक काल और समाजवाद काल।

- i) शक्ति-काल - समाज-वैज्ञानिक चारों चरणों को क्रमिक रूप से समझना चाहिए।
- ii) कृषिकाल - समाज-वैज्ञानिक चारों चरणों को क्रमिक रूप से समझना चाहिए।
- iii) औद्योगिक काल - समाज-वैज्ञानिक चारों चरणों को क्रमिक रूप से समझना चाहिए।
- iv) समाजवाद काल - समाज-वैज्ञानिक चारों चरणों को क्रमिक रूप से समझना चाहिए।

